लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 22-1-2020 पृष्ठ सं 6 कॉलम 3-6

एचएयू की तर्ज पर उत्तराखंड में भी किसानों के लिए खुलेंगे एग्री बिजनेस इन्कयूबेशन सेंटरः डॉ. धन सिंह

उत्तराखंड के शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह ने किया एचएयू का दौरा, परियोजनाओं के बारे में जानकारी ली

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू में कृषि और कृषि से जुड़ी गतिविधियों में किसानों, युवा छात्रों और उद्यमियों के स्टार्ट-अप के लिए तकनीकी सहयोग, प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता के लिए स्थापित एग्री बिजनेस इन्कयूबेशन सेंटर का मंगलवार को उत्तराखंड के उच्चतर शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने दौरा किया।

उन्होंने एचएयू में चल रही विभिन्न परियोजनाओं के बारे में जानकारी ली और विश्वविद्यालय द्वारा कृषि क्षेत्र के उत्थान के लिए चलाई जा रही नवीन परियोजनाओं की सराहना की व उन्हें उत्तराखंड में भी सेंटर और अन्य परियोजनाओं को शुरू कराने की बात कहीं। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने शिक्षा मंत्री को एग्री बिजनेस इन्कयूबेशन सेंटर के बारे में बताते हुए कहा कि इस सेंटर के माध्यम से किसान विश्वविद्यालय की तकनीकी सहायता लेकर कृषि के क्षेत्र में सफल उद्यमी होने की तरफ अग्रसर हैं। यह किसानों को सीधे तौर पर व्यवसाय से जोड़ने तथा उनके उत्पाद को उचित दाम मिलने के उद्देश्य को पूरा कर रहा है। इन्कयूबेशन सेंटर न केवल किसानों को व्यवसायी बनाता है बल्कि तकनीकी राय एवं कौशल भी प्रदान करता है। एबिक से जुड़कर युवा व किसान रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाला बन सकता है। यह सेंटर उद्यमियों से संबंध विकसित करके और उत्पाद प्रसंस्करण एवं उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार के लिए अनुसंधान एवं विकास के लिए मंच प्रदान करने के साथ बुनियादी सुविधाएं और तकनीकी ज्ञान प्रदान करता है।

उत्तराखंड के शिक्षा मंत्री एचएयू के एबिक सेंटर की जानकारी लेते हुए।

इस केन्द्र का उद्देश्य कृषि प्रौद्योगिकीय के व्यावसायीकरण और स्टार्टअप कंपनियों के बिजनेस की स्थापना के लिए मार्गदर्शन करना व कार्य की सफलता और स्थिरता के लिए परामर्श, प्रशिक्षण, व्यवसाय सलाहकार सेवाएं प्रदान करना भी हैं। मंत्री ने किसानों के लिए चलाई जा रही अन्य योजनाओं को कोर्स के बारे में भी हासिल की। इस मौके पर विवि के ओएसडी डॉ. एमके गर्ग, कुलपति की धर्मपत्नी डॉ. संजेश सिंह, नोडल अधिकारी और डॉ. सीमा रानी व अन्य रहे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम हरि भूमि
दिनांक 22.1.2020 पृष्ठ सं 14 कॉलम 4-5

एबिक से जुड़ किसान दे सकता है रोजगार : रावत

हिसार। सेंटर की जानकारी लेते उत्तराखंड के शिक्षा मंत्री एबिक ।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

एबिक से जुड़कर युवा व किसान रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाला बन सकता है। यह बात हकृवि के एग्री बिजनेस इक्यूबेशन सेंटर का दौरा करने के उपरांत उतराखंड के शिक्षा मंत्री डा. धनसिंह रावत ने कही। उन्होनें विश्वविद्यालय में चल रही विभिन्न परियोजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली। हकृवि द्वारा कृषि क्षेत्र के उत्थान के लिए चलाई जा रही नवीन परियोजनाओं की सराहना की तथा उन्हें उत्तराखंड में भी ऐसी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए रूचि दिखाई। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने शिक्षा मंत्री को एग्री बिजनेस इंक्युबेशन सेंटर के बारे में बताते हुए कहा कि इस सैंटर के माध्यम से हमारे किसान विश्वविद्यालय की तकनीकी सहायता लेकर कृषि के क्षेत्र में सफल उद्यमी होने की तरफ अग्रसर हैं। यह किसानों को सीधे तौर पर व्यवसाय से जोड़ने तथा उनके उत्पाद को उचित दाम मिलने के उद्देश्य को पूरा कर रहा है। इन्क्यूबेशन सैंटर न केवल किसानों को व्यवसायी बनाता है बल्कि तकनीकी राय एवं कौशल भी प्रदान करता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के ओएसडी डॉ. एमके गर्ग, कुलपति की धर्मपत्नी डॉ. संजेश सिंह, नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी व अन्य उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 22.1.2020 पृष्ठ सं 19 कॉलम 7-8

डा. धन सिंह रावत ने एचएयू में किया एबिक सेंटर का दौरा

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि और कृषि से जुड़ी गतिविधियों में किसानों, युवा छात्रों और उद्यमियों के स्टार्ट-अप के लिए तकनीकी सहयोग, प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता के लिए स्थापित एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर का उत्तराखंड के उच्चतर शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने दौरा किया। उन्होंने विश्वविद्यालय में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा कृषि क्षेत्र के उत्थान के लिए चलाई जा रही नवीन परियोजनाओं की सराहना की तथा उन्हें उत्तराखंड में भी शुरू करने के लिए रुचि दिखाई।

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि इस सेंटर के माध्यम से हमारे किसान विश्वविद्यालय की तकनीकी सहायता लेकर कृषि के क्षेत्र में सफल उद्यमी होने की तरफ अग्रसर हैं। यह किसानों को सीधे तौर पर व्यवसाय से जोड़ने तथा उनके उत्पाद को उचित दाम मिलने के उद्देश्य को पूरा कर रहा है।

उत्तराखंड के शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह एबिक सेंटर की जानकारी लेते हुए व साथ खड़े कुलपति प्रो. केपी सिंह। • विज्ञप्ति

इन्क्यूबेशन सेंटर न केवल किसानों को व्यवसायी बनाता है बल्कि तकनीकी राय एवं कौशल भी प्रदान करता है। यह सेंटर उद्यमियों से संबंध विकसित करके और उत्पाद प्रसंस्करण एवं उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार के लिए अनुसंधान एवं विकास के लिए मंच प्रदान करने के साथ बुनियादी सुविधाएं और तकनीकी ज्ञान प्रदान करता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के ओएसडी डा. एमके गर्ग, कुलपति की धर्मपत्नी डा. संजेश सिंह, नोडल अधिकारी, डा. सीमा रानी व अन्य उपस्थित रहे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........अमर उजाला........
दिनांक...22.1.2020... पृष्ठ सं......6...... कॉलम....4-5....

हकृवि में उत्तराखंड के उच्चतर शिक्षा मंत्री ने किया दौरा

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि और कृषि से जुड़ी गतिविधियों में किसानों, युवा छात्रों और उद्यमियों के स्टार्ट-अप के लिए तकनीकी सहयोग, प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता के लिए स्थापित एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर का उत्तराखंड के उच्चतर शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने दौरा किया। उन्होंने विश्वविद्यालय में चल रही विभिन्न परियोजनाओं के बारे मे विस्तार से जानकारी ली तथा विश्वविद्यालय द्वारा कृषि क्षेत्र के उत्थान के लिए चलाई जा रही नवीन परियोजनाओं की सराहना की। उन्होंने उत्तराखंड में भी ऐसी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए रूचि दिखाई। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने शिक्षा मंत्री को एग्री बिजनेस इंक्युबेशन सेंटर के बारे में बताते हुए कहा कि इस सेंटर के माध्यम से हमारे किसान विश्वविद्यालय की तकनीकी सहायता लेकर कृषि के क्षेत्र में सफल उद्यमी होने की तरफ अग्रसर हैं। इस केंद्र का उद्देश्य कृषि प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण और स्टार्टअप कंपनियों के बिजनेस की स्थापना के लिए मार्गदर्शन करना व कार्य की सफलता और स्थिरता के लिए परामर्श, प्रशिक्षण, व्यवसाय सलाहकार सेवाएं प्रदान करना भी हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के ओएसडी डॉ. एमके गर्ग, कुलपति की धर्मपत्नी डॉ. संजेश सिंह, नोडल अधिकारी, डॉ. सीमा रानी आदि उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक ट्रिब्यून
दिनांक 22-1-2020 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 1-3

आंध्र की कंपनी ने हकृवि के साथ किया ओएमयू साइन

साउथ के लोगों को भाया हरियाणा का बाजरा

कंपनी विश्वविद्यालय को देगी 4 लाख रुपये लाइसेंस फीस

नरेन्द्र ख्यालिया/निस
हिसार, 21 जनवरी

प्रदेश के एकमात्र कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा तैयार की गई बाजरा की नई किस्म 299 और 311 की देश के दक्षिण राज्यों में खूब मांग बढ़ रही है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उक्त किस्मों का बीज खरीदने के लिए दक्षिण की कंपनियों में होड़ लगी हुई है।

आंध्र प्रदेश की एक और कंपनी ने बाजरे की दो किस्मों एचएचबी 299 और एचएचबी 311 के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे पहले भी साउथ की बीज कंपनियां उक्त किस्मों के लिए एचएयू के साथ ओएमयू साइन कर चुकी हैं। इसी कड़ी में आंध्र प्रदेश की एक बीज कंपनी श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर बीज ने एचएयू के साथ अनुबंध किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की उपस्थिति में अनुबंध पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंध निदेशक (कार्यकारी) डॉ. आरके झोरड़, जबकि बीज कंपनी से पी. शंकरप्पा ने हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. बीआर कम्बोज, अनुसंधान निदेशक, डॉ. एसके सेहरावत, एचओएस, डॉ. एसके पाहूजा, प्रभारी आईपीआर सेल डॉ. विनोद सांगवान उपस्थित थे। इस अनुबंध में विश्वविद्यालय की ओर से बीज कंपनी को एचएचबी 299 और एचएचबी 311 का बीज उत्पादन व उसकी मार्केटिंग करने का लाइसेंस प्रदान किया गया है। इसके तहत कम्पनी विश्वविद्यालय को चार लाख रुपये लाइसेंस फीस देगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा इजाद की गयी बाजरा की 299 किस्म। -निस

दोनों किस्में विशेषताओं से भरपूर

हकृवि के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा तैयार की गई बाजरा की 299 व 311 किस्मों में आयरन की मात्रा 30-40 प्रतिशत से ज्यादा है तथा यह डाऊनी मिल्ड्यू रोग की प्रतिरोधक हैं। बाजरे की इन किस्मों में आयरन की अधिक मात्रा के कारण इसे खाने से एनीमिया रोग से बचाव होता है। ये किस्में हैं, जिसमें उच्च अनाज और सूखे चारे की उपज की क्षमता अधिक है।

“बीज कंपनी को बाजरा का बीज तैयार करके उसकी मार्केटिंग करने के लिए 4 वर्ष के लिए गैर एकाधिकार (नॉन एक्सक्लूसिव) लाइसेंस दिया गया है।”
-प्रो. केपी सिंह, कुलपति, हकृवि, हिसार